

**मृज पुं.** (तत्.) 1. पखावज या मृदंग नामक वाद्य यंत्र 2. सफाई करना, मार्जन, पवित्रीकरण।

**मृजा स्त्री.** (तत्.) मार्जन, दोष, मल आदि दूर करने की क्रिया या भाव, सफाई, पवित्रीकरण 3. मूल-दोष आदि का परिहार 4. लोध नामक वृक्ष।

**मृजाद स्त्री.** (देश.) मर्यादा, मरजादा।

**मृज्य वि.** (तत्.) जिसका मार्जन किया जा सके, जिसका मार्जन या सफाई या पवित्रीकरण किया जाना हो, मार्जनीय।

**मृड पुं.** (तत्.) 1. संतुष्ट करने वाला 2. शिव, महादेव।

**मृडन पुं.** (तत्.) अनुग्रह, कृपा।

**मृडा स्त्री.** (तत्.) मृडानी, पार्वती, दुर्गा।

**मृडानी स्त्री.** (तत्.) प्रसन्नता देने वाली, पार्वती, रुद्राणी, शिवानी।

**मृडीक पुं.** (तत्.) 1. हिरन 2. शिव 3. एक प्रकार की मछली।

**मृणाल पुं.** (तत्.) 1. कमलनाल, कमल के पौधे का तना 2. कमल की जड़ 3. उसीर या खस नामक सुगंधित घास या उसकी जड़।

**मृणालिका स्त्री.** (तत्.) मृणाली, कमल की डंडी, कमलनाल।

**मृणालिनी स्त्री.** (तत्.) 1. कमलिनी 2. कमलों का समूह।

**मृण्पात्र पुं.** (तत्.) 1. चीनी मिट्टी आदि से बने बर्तन, मृत्तिका भाण्ड 2. मिट्टी या चीनी मिट्टी से बने खिलौने मूर्तियाँ आदि।

**मृण्मय वि.** (तत्.) मिट्टी से बना हुआ, मिट्टी से युक्त।

**मृण्मूर्ति स्त्री.** (तत्.) 1. मिट्टी से बनी मूर्ति 2. मध्य तथा प्राचीन युग में मिट्टी की बनी हुई मूर्ति का मुँह और सिर।

**मृत वि.** (तत्.) 1. मरा हुआ, बेजान, मुर्दा या लाश 2. जिसका पूर्ण रूप से अंत हो चुका हो।

**मृतक वि.** (तत्.) मृत, मरा हुआ, मुर्दा पुं. 1. मृत प्राणी या उसका मृत शरीर 2. घर के किसी व्यक्ति या संबंधी के मरने पर होने वाला अशौच।

**मृतक-कर्म पुं.** (तत्.) मृत व्यक्ति की सद्गति के लिए किया जाने वाला कृत्य या कार्य जैसे दाह-संस्कार, तेरहवीं, दशगात्र आदि।

**मृतक-धूम पुं.** (तत्.) राख, भस्म।

**मृतकल्प वि.** (तत्.) लगभग मृत, मरे जैसा, संज्ञाशून्य, चेतनाहीन।

**मृतकांतक पुं.** (तत्.) मृत शरीर का भी अंत या नाश करने वाला अर्थात् गीदड़, सियार, गिद्ध आदि।

**मृतजीव पुं.** (तत्.) 1. मरा हुआ प्राणी 2. तिलक नामक वृक्ष।

**मृतजीवनी स्त्री.** (तत्.) 1. मृत शरीर को पुनर्जीवित करने की विद्या, संजीवनी विद्या 2. दूधिया घास।

**मृतधर्मा वि.** (तत्.) नश्वर, नाशवान, जो अंत में मर जाता है या नष्ट हो जाता है।

**मृतमत्त पुं.** (तत्.) शृगाल, गीदड़।

**मृतमात्रिक वि.** (तत्.) मातृहीन, जिसकी माँ की मृत्यु हो गई हो।

**मृतवत्स वि.** (तत्.) 1. जिसके बच्चे होकर मर जाते हैं 2. जिसका बच्चा होकर मर गया हो।

**मृतसंजीवन पुं.** (तत्.) मृत को जीवित करने वाला पदार्थ या औषध।

**मृतसंजीवनी स्त्री.** (तत्.) 1. एक प्रकार की बूटी जिसके बारे में कहा जाता है कि उसे खिलाने पर मृत प्राणी भी जी उठता है 2. वैद्यक में एक प्रकार का आसव जो बहुत पौष्टिक होता है।

**मृतसंजीवनी रस पुं.** (तत्.) एक प्रकार का रसौषध जिसे बुखार के लिए रोगी को दिया जाता है।